आर. एन. आई. नं. UPHIN/2010/32566 डाक. पंजीयन. संख्या– SSP/LW/NP-311

अद्भुत समाचार

निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी साप्ताहिक

हर ख़बर पर पैनी नज़र

वर्ष : 12 अंक : 23 लखनऊ, मंगलवार 21 सितम्बर से 27 सितम्बर, 2021 तक पृष्ठ–8 मूल्य : एक रूपया

महंत नरेंद्र गिरी के निधन पर PM मोदी समेत तमाम नेताओं ने जताया दुख, मौर्य बोले- उन्होंने मुझे सदैव प्यार दिया

नई दिल्ली। अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत नरेंद्र गिरि सोमवार को अपने बाघंबरी गद्दी मठ में मृत मिले। मठ के भीतर किसी को भी जाने की अनुमति नहीं है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक मौके पर पुलिस के आलाअधिकारी मौजूद हैं। वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत तमाम नेताओं ने अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत नरेंद्र गिरि के निध ान पर शोक जताया। प्रधानमंत्री मोदी ने ट्वीट किया कि अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष श्री नरेंद्र गिरि जी का देहावसान अत्यंत दुखद है। आध्यात्मिक परंपराओं के प्रति समर्पित रहते हुए उन्होंने संत समाज की अनेक धाराओं को एक साथ जोड़ने में बड़ी भूमिका निभाई। प्रभु उन्हें अपने श्री चरणों में स्थान दें। वहीं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि महंत नरेंद्र गिरि जी का ब्रह्मलीन होना आध्यात्मिक जगत की अपूरणीय क्षति है। प्रभु श्री राम से प्रार्थना है कि दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्री चरणों में स्थान तथा शोकाकुल

अनुयायियों को यह दुःख सहने की शक्ति प्रदान करें। एक दिन पहले महंत नरेंद्र गिरी से मुलाकात करने वाले उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य उनके निधन के समाचार से बेहद दुखी हैं। मौर्य ने कहा कि उन्होंने मुझे सदैव प्यार दिया। विश्वास नहीं हो रहा की वह आत्महत्या कर सकते हैं। अगर किसी ने ऐसी स्थिति पैदा की है तो उसे बखष्शा नहीं जाएगा। स्थिति जानने के लिए प्रयागराज जा रहा हूं। समाचार एजेंसी एएनआई के मुताबिक प्रयागराज आईजी केपी सिंह ने बताया कि हमें आश्रम से फोन आया कि महाराज (महंत नरेंद्र गिरी) फंदे से लटक गए हैं। जब हम यहां आए तो देखा कि महाराज जमीन पर लेटे हुए थे। रस्सी पंखे में फंसी हुई थी। उनकी मृत्यु हो चुकी थी।उन्होंने कहा कि प्रथम ष्टया ये सुसाइड का मामला लग रहा है। उनका (महंत नरेंद्र गिरी) सुसाइड नोट भी मिला है। सुसाइड नोट में उन्होंने लिखा कि मैं बहुत से कारणों से दुखी था इसलिए आत्महत्या कर रहा हूं। मामले में जांच जारी है।

महंत नरेंद्र गिरि के निधन पर शोक की लहर, सीएम योगी व संतों ने जताया दुख

लखनऊ। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत नरेंद्र गिरि की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। उनका शव प्रयागराज स्थित अल्लापुर में बांघबरी गद्दी मठ के कमरे में फंदे से लटका मिला है। उनके निधन की खबर फैलते ही मठ पर बड़ी संख्या में भक्त और श्रद्धालु भी पहुंचने लगे हैं। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, मध्य प्रदेश के सीएम शिवराज सिंह चौहान, यूपी के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य और सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव समेत विभिन्न राजनीतिक दलों और संत–महात्माओं ने इस दुखद घटना पर अपनी शोक संवेदनाएं व्यक्त की हैं।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने श्रद्धांजलि देते हुए अपने शोक संदेश में कहा कि श्अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत नरेंद्र गिरि जी का ब्रह्मलीन होना आध्यात्मिक जगत की अपूरणीय क्षति है। प्रभु श्री राम से प्रार्थना है कि दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्री चरणों में स्थान तथा शोकाकुल अनुयायियों को यह दुःख सहने की शक्ति प्रदान करें। शांति! समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने महंत नरेंद्र गिरि की मृत्यु पर शोक व्यक्त किया है। उन्होंने ट्वीट कर कहा कि श्अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष पूज्य नरेंद्र गिरी जी का निधन अपूरणीय क्षति है। ईश्वर पुण्य आत्मा को अपने श्री चरणों में स्थान

व उनके अनुयायियों को यह दुख सहने की शक्ति प्रदान करें। भावभीनी श्रद्धांजलि।श्अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष नरेंद्र गिरी के निधन से धर्मनगरी अयोध्या में शोक की लहर दौड़ गई है। हनुमानगढ़ी के महंत राजू दास ने अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष के निधन बेहद दुखद बताया है। राजू दास ने कहा कि भगवान से प्रार्थना है कि मृत आत्मा को शांति प्रदान करें। नरेंद्र गिरी का निधन साधु समाज के लिए अपार क्षति के समान है।

हमारी सरकार में गुंडों–माफियाओं पर चल रहा बुलडोजर : योगी आदित्यनाथ

गाजीपुर (उप्र)। उत्तर प्रदेश के मुख्य्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार गुंडों और माफियाओं से अच्छी तरह निपटना जानती है और हमारी सरकार में उन पर बुलडोजर चल रहा है। मुख्य्यमंत्री योगी आदित्य्यनाथ ने सोमवार को गाजीपुर जिला मुख्यालय से ४० किलोमीटर दूर सैदपुर के टाउन नेशनल इंटर कलेज में कई योजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करने के बाद आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए यह कहा। उन्होंने कहा, ''पिछली सरकारों में गुंडों, माफियाओं को सरकारी संरक्षण मिलता था लेकिन अब उत्तर प्रदेश

से माफियाओं का सफाया किया जा रहा है। भाजपा ने सभी क्षेत्र में व्यापक परिवर्तन करके दिखाया है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पूरे देश में विकास हो रहा है।'' योगी ने कहा कि उनकी सरकार ने बिना किसी की जाति पूछे लाखों युवाओं को रोजगार दिया है, युवाओं को नई पहचान दी है और युवा गर्व से कह सकते हैं कि वे उत्तर प्रदेश के हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने जाति, क्षेत्र, चेहरा नहीं देखा और इस सरकार में सभी वर्गों एवं समाज का विकास किया गया। योगी ने योजनाओं के लाभार्थियों को प्रमाणपत्र प्रदान किये। उन्ह्होंने कहा कि अब गाजीपुर में मेडिकल कलेज का नाम महर्षि विश्वामित्र के नाम पर होगा।

कोरोना के १९४ एक्टिव मामले, अबतक ९ करोड़ से अधिक लोगों को दी गई वैक्सीन की डोज

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार में अपर मुख्य सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अमित मोहन प्रसाद ने बताया कि प्रदेश में कल एक दिन में कुल १,८२,७४२ सैम्पल की जांच की गयी है। प्रदेश में अब तक कुल ७,६५,२७,७४६ सैम्पल की जांच की गयी है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में पिछले २४ घंटे में कोरोना संक्रमण के ११ नये मामले आये हैं तथा १७३ लोग होम आइसोलेशन में है। प्रदेश में पिछले २४ घंटे में १५ तथा अब तक कुल १६,८६,५६६ लोग कोविड–१६ से ठीक हो चुके हैं। प्रदेश में कोरोना के कुल १६४ एक्टिव मामले हैं। उन्होंने बताया कि प्रदेश में अब तक सर्विलांस टीम के माध्यम से २,६५,८३१ क्षेत्रों में ६,४६,०८१ टीम दिवस के माध्यम से ३,५८,८४,५१५ घरों के १७,२४,६४,३१४ जनसंख्या का सर्वेक्षण किया गया है। प्रसाद ने बताया कि कोविड वैक्सीनेशन का कार्य निरन्तर किया जा रहा है। प्रदेश में पहली डोज ७,७५,४६,१८६ तथा दूसरी डोज १,६६,६३,०३० लगायी गयी हैं। उन्होंने बताया कि अब तक कुल ६,४२,०६,२१६ कोविड डोज दी

गयी है। कोविड संक्रमण अभी पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है। इसलिए सभी लोग कोविड अनुरूप आचरण करे। टीकाकरण के बाद भी कोविड प्रोटोकॉल का पालन अवश्य करें। किसी भी प्रकार की समस्या होने पर कोविड हेल्पलाइन १८००१८०५१४५ पर सम्पर्क करे।

महंत नरेंद्र गिरि की मृत्यु की जांच उच्च न्यायालय के न्यायाधीश की निगरानी में हो : अखिलेश यादव

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने मंगलवार को महंत नरेंद्र गिरि की संदिग्ध मौत के मामले में उच्च न्यायालय के मौजूदा न्यायाधीश से जांच कराने की मांग की। प्रयागराज में श्रीमठ बाघंबरी गद्दी में महंत नरेंद्र गिरि को श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद मीडिया से बातचीत में सपा प्रमुख ने कहा, ''महंत नरेंद्र गिरि की मृत्यु को लेकर संदिग्ध जानकारियां मिल रही हैं। रहस्य क्या है, इस कदम के पीछे क्या कारण था, यह एक बड़ा विषय है।'' उन्होंने कहा कि ना केवल आम लोग, बल्कि अखाड़ा

परिषद से जुड़े सभी लोग चाहते हैं कि सत्य सामने आए। इसलिए उच्च न्यायालय के न्यायाधीश की निगरानी में इस मामले की जांच होनी चाहिए जिससे कि पूरी की पूरी सच्चाई सामने आ सके। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत नरेंद्र गिरि का शव सोमवार शाम प्रयागराज में संदिग्ध हालात में उनके बाघंबरी मठ में फंदे से लटका मिला था। यादव ने सोमवार को एक ट्वीट में कहा था, अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष पूज्य नरेंद्र गिरि जी का निधन अपूरणीय क्षति है। ईश्वर पुण्य आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान व उनके अनुयायियों को यह दुख सहने की शक्ति प्रदान करे।

सम्पादकीय

नए त्रिगुट ने ये चाल क्यों चली.?

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने ब्रिटेन और ऑस्ट्रेलिया के साथ अपने देश का नया त्रिगुट बना कर बाकी यूरोप के साथ चीन विरोधी गठजोड़ की संभावना को झटका दिया है। फ्रांस तो इससे इतना नाराज हुआ कि उसने तुरंत कई जवाबी कार्रवाइयां कीं। उसने इस नए गुट उसकी पीठ में चुरा घोंपना बताया। उधर फ्रांस ने अपने वशिंगटन स्थित दूतावास में आयोजित एक रिसेप्शन समारोह रद्द कर दिया। उसके विदेश मंत्री ने कहा कि बाइडेन के इस गुपचुप कदम से उन्हें डॉनल्ड ट्रंप की याद आ गई है। फ्रांस की इस भावना से सहमति यूरोपियन यूनियन के अधिकारियों ने भी जताई है। उनका कहना है कि बाइडेन के दौर में भी अमेरिका अपने हितों को प्रमुखता देते हुए ट्रंप जैसी नीति पर ही चल रहा है। अमेरिका, ब्रिटेन और ऑस्ट्रेलिया के इस त्रिगुट को ऑकुस (ऑस्ट्रेलिया–यूनाइटेड किंगडम–यूनाइटेड स्टेट्सः एयूकेयूएस) नाम से जाना जा रहा है। इसके तहत अमेरिका और ब्रिटेन के सहयोग से ऑस्ट्रेलिया आठ परमाणु अस्त्र क्षमता से लैस पनडुब्बियां बनाएगा। फ्रांस की नाराजगी वाजिब है। ये नया करार फ्रांस के साथ अझूस्ट्रेलिया के पहले हुए ६० अरब डॉलर के पनडुब्बी निर्माण समझौते की कीमत पर हुआ है। दरअसल, समस्याएं सिर्फ यूरोप में नहीं हैं। अझूस्ट्रेलिया के पड़ोसी देश न्यूजीलैंड भी इस कदम से गुस्से में है। उसने अपनी परमाणु विरोधी नीति पर चलते हुए तुरंत यह एलान कर दिया कि वह ऑस्ट्रेलियाई पनडुब्बियों को अपने जल क्षेत्र में प्रवेश नहीं करने देगा। ऑस्ट्रेलिया में भी इसके खिलाफ तुरंत आवाजें उठीं। पूर्व प्रधानमंत्री और विपक्षी लेबर पार्टी के नेता पॉल कीटिंग ने कहा कि इस समझौते के कारण ऑस्ट्रेलिया की संप्रभुता की और क्षति होगी और अंतरराष्ट्रीय संबंधों के बारे में स्वतंत्र निर्णय लेने की अस्ट्रेलिया की क्षमता बाधित हो जाएगी। वह इस मामले में अमेरिका पर और ज्यादा निर्भर हो जाएगा। चीन का भड़कना स्वाभाविक है। ये गठजोड़ चीन को घेरने की अमेरिकी नीति का ही परिणाम है। मगर इससे धारणा यह बनी है कि अमेरिका ने अंग्रेजी भाषी मूल के देशों को ही चीन विरोधी गठजोड़ की अग्रिम कतार में रखने लायक समझा। इससे व्यापक गठजोड़ की संभावना कमजोर पड़ी है। जानकारों के मुताबिक नई पनडुब्बियां बन कर तैयार होने में १५ से १८ साल तक का वक्त लगेगा। जाहिर है, इससे तुरंत चीन को घेरना संभव नहीं होगा। तो फिर बाइडेन प्रशासन ने ये चाल क्यों चली, अभी अमेरिका के सुरक्षा विशेषज्ञ भी इसे समझने की जद्दोजहद कर रहे हैं।

आजम-अतीक-मुख्तार.रडार पर मनी लॉन्ड्रिंग मामले में खंगाली जाएगी पूरी कुंडली

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में पिछले कुछ महीने से एक कहावत काफी मशहूर हुई कि जमीन मत कब्जा करना वरना बुलडोजर आ जाएगा। जिनके डर से कभी यूपी का हर जिला कांपता था वो आज जेल में चक्की पीस रहे हैं। मुख्तार अंसारी, अतीक अहमद और आजम

खान इन तीन नामों में तीन बातें कमन है। तीनों यूपी के हैं, तीनों मुसलमान होने के बहाने दंबगई वाली राजनीति करते हैं। तीनों के खिलाफ अदालत में मुकदमें चल रहे हैं। उत्तर प्रदेश की अलग–अलग जेलों में बंद चल रहे सपा नेता आजम खां, गैंगेस्टर से बसपा विधायक बने मुख्तार अंसारी व अतीक अहमद की मुश्किलें और बढ़ गई हैं। अब प्रवर्तन निदेशालय मनी लॉन्ड्रिंग मामले में इन तीनों नेताओं की कुंडली खंगालेगा। प्रवर्तन निदेशालय आजम खान, मुख्तार अंसारी और अतीक अहमद से मनी लन्ड्रिंग के मामले में पूछताछ करेगा। ईडी को इन सभी से पूछताछ की इजाजत मिल गई है। तीनों अभी अलग–अलग जेल में इस वक्त बंद हैं और तीनों से ईडी द्वारा पूछताछ की जाएगी। सीतापुर जेल में बंद आजम खां से आज ईडी की दो सदस्यीय टीम ने पूछताछ की। इसके बाद बांदा जेल में बंद माफिया डन मुख्तारअंसारी का नंबर आएगा। गुजरात की साबरमती जेल में बंद अतीक अहमद से भी ईडी पूछताछ करेगी। गौरतलब हो कि आजम खान पर यूनिवर्सिटी के लिए किसानों की जमीन हड़पने का आरोप है। आजम पर जौहर यूनिवर्सिटी बनाने में सरकारी पैसों के इस्तेमाल का आरोप है। वहीं बीएसपी के विधायक मुख्यतार अंसारी पर जमीन कब्जा करने और मनी लॉन्ड्रिंग का मामला दर्ज है। और अतीक अहमद की १६ कंपनियों में कई के बेनामी होने का आरोप है।

उपमुख्यमंत्री डॉ दिनेश शर्मा बोले, UP में पिछले ४.५ साल में नहीं हुआ एक भी दंगा

लखनऊ। उपमुख्यमंत्री डा दिनेश शर्मा ने आज बहराइच के प्रयागपुर में आयोजित कौशलेन्द्र विक्रम सिंह महाविद्यालय के हीरक जयंती एवं विराट प्रबुद्ध जनसभा में अपने उद्बोधन में कहा कि जनता जानती है कि प्रदेश के स्वरूप को बदलने का काम किसने किया है। पिछले साढे चार साल में एक

भी दंगा प्रदेश में नहीं हुआ है। दीन दयाल जी के एकात्म मानववाद को सबका साथ सबका विकास के साथ प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री ने पूरा किया है। आज प्रदेश प्रगति की राह पर तेजी से आगे बढ रहा है। पिछले साढे चार साल में मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रगति की जो गाथा लिखी गई है उसका परिणाम है कि आज यूपी देश की दूसरी सबसे बडी अर्थव्यवस्था बन गया है। २१७ में जो अर्थ व्यवस्था ११ लाख करोड की थी वह आज २२ लाख करोड की हो गई है। अपराध के लिए जाना जाने वाला यूपी आज पूंजी निवेश के लिए जाना जा रहा है। उन्होंने कहा कि कोरोना जैसे संक्रमण काल में भी प्रदेश में ५६ हजार करोड का निवेश आया है। प्रदेश में ३ लाख करोड के निवेश की योजनाए क्रियाशील हो रही हैं। डा शर्मा ने कहा कि आजादी के बाद यह पहली ऐसी सरकार है जिसने साढे चार साल में साढे चार लाख नौकरियां दी है। एक भी नौकरी विवादित नहीं है। सरकार का लक्ष्य प्रदेश में बेरोजगारी को पूरी तरह से समाप्त करने का है। वर्तमान सरकार के कार्यकाल में कई प्रकार की योजनाओं से करोडों प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित हुए हैं। उन्होंने कहा कि कोरोना संक्रमण काल में मुख्यमंत्री ने लोगों की सुरक्षा व सेवा को सबसे बडा धर्म माना और अपने पिता के अन्तिम संस्कार में भी नहीं गए, वे उस समय में लोगों तक दवा और अन्य सुविधा पहुचाने की व्यवस्था में लगे रहे। प्रदेश का यह सौभाग्य है कि उसे इस प्रकार का परिश्रमी मुख्यमंत्री मिला है। डा शर्मा ने कहा कि हमारे देश की महिलाएं धुएं में जीवन व्यतीत कर रही थी, मा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और सीएम योगी आदित्यनाथ ने महिलाओं की इस समस्या को समझा और इसके निराकरण के लिए फ्री में गैस का कनेक्शन उपलब्ध कराने का काम किया। प्रदेश में उज्जवला योजना के तहत १ करोड ६७ लाख फ्री गैस कनेक्शन दिए गए हैं। पिछली सरकारों द्वारा जनता की उपेक्षा का आलम तो यह था कि माताओं और बहनों को नित्यकर्म से निवृत होने के लिए भी रात के अंधेरे का इंतजार करना पडता था। प्रधानमंत्री ने महिलाओं के सम्मान और गरिमा की सुरक्षा के लिए हर घर में शौचालय बनवाने का काम किया है। सरकार ने महिलाओं के सशक्तीकरण और सम्मान के लिए हर संभव कदम उठाए हैं। उन्होंने कहा कि महिलाओं के जनधन खातों में १५ रुपए , किसान के खाते में सम्मान निधि ६ रुपया, श्रमिकों के खाते में १ रुपए की मदद, १५ करोड लोगों को फ्री में राशन यह सब काम प्रदेश सरकार ने किए हैं। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि आज प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था की पूरी तस्वीर ही बदल गई है। राज्य की शिक्षा व्यवस्था एक माडल बन गई है। नकलविहीन परीक्षा ने शिक्षा व्यवस्था की गरिमा को लौटाने का काम किया है। प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था सुखी मन शिक्षक, तनावमुक्त विद्यार्थी, नकलविहीन परीक्षा तथा गुणवत्तायुक्त शिक्षा के आधार पर आगे बढ रही है। उन्होंने कहा कि नोएडा आईटी हब बनने की ओर अग्रसर है। देश में बनने वाले १ मोबाइल में से ७ मोबाइल प्रदेश में बन रहे हैं। उन्होंने कहा कि देश का सबसे बड़ा डाटा सेन्टर यूपी में बना है। कार्यक्रम में क्षेत्रीय सांसद बृजभूषण शरण सिंह, माननीय सांसद अक्षयबर लाल, विधायक सुभाष त्रिपाठी, सुरेश्वर सिंह, अनुपमा जयसवाल, राजा जयेंद्र विक्रम सिंह, जिला अध्यक्ष श्याम करण टेकरीवाल जिला पंचायत अध्यक्ष, मंजू सिंह निशंक त्रिपाठी राजा राकेश प्रताप सिंह आदि उपस्थित रहे।

उत्तर प्रदेश में एक आइएएस और 29 पीसीएस अधिकारियों का तबादला

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में अब भी प्रशासनिक अधिकारियों का तबादला जारी है। अब तो रविवार को भी तबादले का दौर चल रहा है। हाल में ही पीसीएस से आइएएस में प्रोन्नत एक अधिकारी सहित २६ पीसीएस अफसरों का तबादला किया गया है। पीसीएस से हाल ही में आइएएस संवर्ग में प्रोन्नत निधि श्रीवास्तव को अपर निदेशक मंडी परिषद बनाया गया है। निधि श्रीवास्तव आगरा में एडीएम प्रशासन के पद पर कार्यरत थीं। रविवार को गुपचुप तरीके से किए गए तबादले भी इसकी जानकारी भी विभाग की अधिंत वेबसाइट पर नहीं दी गई है। शासन ने २६ पीसीएस अधिकारियों के तबादले कर दिए हैं। नए तबादलों में निधि श्रीवास्तव को एडीएम प्रशासन आगरा से अपर निदेशकेंषि उत्पादन मंडी परिषद लखनऊ, जयनाथ यादव को एडीएम वित्त एवं राजस्व हापुड़ से मुख्य राजस्व अधिकारी गोंडा, अजय कुमार सिंह को अपर आयुक्त वाराणसी मंडल से एडीएम प्रशासन आगरा, ममता मालवीय को एसडीएम बरेली से अपर नगर आयुक्त मेरठ नगर निगम, श्रद्धा शांडिल्यायन को अपर नगर आयुक्त मेरठ नगर निगम से एडीएम वित्त एवं राजस्व हापुड़, यशोवर्धन श्रीवास्तव को एडीएम वित्त एवं राजस्व गाजियाबाद से एडीएम वित्त एवं राजस्व आगरा भेजा गया है। इसी प्रकार प्रदीप कुमार यादव को मुख्य राजस्व अधिकारी बहराइच से एडीएम नजूल प्रयागराज, योगेंद्र कुमार को एडीएम वित्त एवं राजस्व आगरा से एडीएम वित्त एवं राजस्व गाजियाबाद, संजय कुमार सिंह को एडीएम वित्त एवं राजस्व हरदोई से एडीएम वित्त एवं राजस्व लखीमपुर खीरी, गंगा राम गुप्ता को एडीएम नजूल प्रयागराज से संयुक्त निदेशक स्थानीय निकाय निदेशालय लखनऊ, अर्पित गुप्ता को एसडीएम गोरखपुर से सिटी मजिस्ट्रेट गोंडा, जगदंबा सिंह को सिटी मजिस्ट्रेट बुलंदशहर से एडीएम वित्त एवं राजस्व प्रयागराज, वंदना त्रिवेदी को सिटी मजिस्ट्रेट गोंडा से एडीएम वित्त एवं राजस्व हरदोई और मार्तण्ड प्रताप सिंह को एडीएम वित्त एवं राजस्व प्रयागराज से अपर आयुक्त प्रयागराज मंडल के पद पर तैनाती दी गई हैं।

चेहरा व पैसा नहीं, योग्यता के आधार पर नौकरियां दीं : योगी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी एवं सहयोगी दल की सरकार के साढ़े चार वर्ष के कार्यकाल को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अब तक की श्रेष्ठ तथा जनता के साथ रहने वाली सरकार बताया। सीएम योगी आदित्यनाथ ने लोक भवन में रविवार को डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य व डॉ. दिनेश शर्मा तथा भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रभारी राधा मोहन सिंह तथा पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह के साथ मीडिया के समक्ष अपना रिपोर्ट कार्ड पेश किया।उत्तर प्रदेश सरकार के साढ़े चार वर्ष पूरा होने पर सीएम योगी आदित्यनाथ अपनी सरकार की उपलब्धियां गिनाने के साथ ही विपक्ष पर भी हमलावर रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश जैसा विशाल आबादी का प्रदेश जहां दो चीजें चुनौती होती है सुरक्षा और सुशासन। हमने इस पर काम करके पर्सेप्शन बदला है। हमको प्रशासन, संगठन तथा सरकार के साथ केन्द्रीय नेतृत्व का निरंतर सहयोग साथ मिला है। मैं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह तथा केन्द्र सरकार के सभी मंत्रियों और भाजपा के शीर्ष संगठन का धन्यवाद करता हूं। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रदेश में नौजवानों के नौकरी का मुद्दा हो या, बहन बेटियों की सुरक्षा का मामला हो, या फिर शासन प्रशासन की ट्रांसफर पोस्टिंग का प्रकरण अब सब पर

लगाम लगी है। यहां पर पहले हर मंडल कमिशनरी जिलों के अधिकारी हर महीने दो महीने में ताश के पत्तो की तरह फेंटे जाते थे। बिना किसी कारण के ट्रांसफर होते थे। हमने उसे लगाम लगाकर स्थिरता का माहौल दिया। आज केन्द्र सरकार की ४४ योजनाओं में नम्बर एक पर चल रहा है। एक करोड़ ५६ लाख से अधिक गैस कनेक्शन, छह करोड से अधिक आयुष्मान बीमा कवर, दो करोड़ ५३ लाख किसानों को किसान सम्मान निधि, १५ करोड़ लोगों को निशुल्क राशन कर रही है। यह तब सम्भव हुआ जब हमने पारदर्शीता की और स्थिरता दी। इसी कारण हमारा प्रदेश हर क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है। प्रदेश में २००७ की सरकार में खाद्यान्न घोटाला हुआ था और उसकी सीबीआई जांच आज भी चल रही है। हमने तो संकट में भी किसान कर्जमाफी से हमने किसान कल्याण की योजना को आगे बढ़ाया है। उत्तर प्रदेश में जहां जल संसाधन भरपूर होता था लेकिन योजनाओ के क्रियान्वयन न होने से किसानों को भरपूर लाभ नही मिल पाता था,लेकिन आज वो सब चल रहा है। पहले चीनी मिलें लगातार बन्द होती गई। किसान आत्महत्या करने को मजबूर हुआ। हमने उन चीनी मिलों को लगातार चलाया। कोरोना काल में भी चीनी मिलें लगातार चलती गईं। पिछली सरकारें आढ़तियों के माध्यम से गेंहू, धान, मक्का तथा अन्य फसल क्रय करती थीं। हम तो सीधे किसानों से खरीदी करके,उन्हें डीबीटी के माध्यम से पैसे दे रहे हैं, जो सीधे बिना बिचौलिए के उनके पास पहुंच रहा है।प्रदेश में जब कोई भी आपदा आती थी तो गरीबों को महीनों कोई बचाव के उपाय नहीं मिलती थी लेकिन आज सरकार सम्वेदना के साथ किसी भी आपदा में जनता के साथ खड़ी होती है। सरकार की सम्वेदना हर स्तर पर लगातार बनी है। जनता को हर जगह पर २४ घंटे सहायता मिलती है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने साढ़े चार वर्ष की उपलब्धियों के सम्बंध में कहा कि हमारी सरकार की सबसे बड़ी उपलब्धि गहरे संकट के समय में भी हर पल जनता के साथ रहना है। सूबे के हर व्यक्ति तक सरकार की योजना का लाभ देने के साथ हमने हर गरीब, किसान, बेरोजगार, युवा तथा महिला व बेटियों के स्वाभिमान की रक्षा की। उनको अहसाल कराया कि सरकार सदैव उनके साथ है। पिछली सरकार में पूर्वी उत्तर प्रदेश के लोग बाढ़ में डूबे रहते थे, बच्चे व नागरिक इंसेफेलाइटिस और डेंगू की चपेट में आकर तड़पते थे। उस समय, जिम्मेदार लोग सैफई में फिल्मी हस्तियों के नृत्य का आनंद लेने में व्यस्त रहते थे। सामाजिक न्याय के नाम पर लोगों को गुमराह करने और आपसी दरार को बढ़ाने की कोशिश करने वालों का पर्दाफाश हो गया है। जब सत्ता में थे, उन्होंने अपने परिवार के लिए काम किया। उनका मकसद सामाजिक विकास नहीं था, इसलिए जनता का उनसे मोहभंग हो गया।मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार आज चेहरा देखकर नही योग्यता के आधार पर प्रदेश के नौजवानों को नियुक्तियां पारदर्शी तरीके से दे रही है। पहले जब भर्तियां निकलती थी तो पूरा खानदान वसूली के लिए झोला लेकर निकल पड़ता था। हमने बीते साढ़े चार लाख नौजवानों को नौकरी दी है। सभी नियुक्तियों वर्षों से लंबित थी नौकरियां निकलती थीं, तो एक पूरा परिवार वसूली के लिया निकल पड़ता था। हमारी सरकार ने योग्यता के आधार पर साढ़े चार लाख सरकारी नौकरियों दी हैं। हमने पारदर्शी व्यवस्था रखी।

हमारे लिए भाजपा दुश्मन नंबर एक, किसी कीमत पर समर्थन नहीं देंगे : सतीश मिश्र

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के राष्ट्रीय महासचिव सतीश चंद्र मिश्र ने मंगलवार को कहा कि उनकी पार्टी के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) दुश्मन नंबर एक है क्योंकि इसने उत्तर प्रदेश को तबाह कर रखा है। मंगलवार को यहां समाचार चैनल के मंथन–२०२१ कार्यक्रम में सवालों के जवाब में बसपा महासचिव ने कहा, हमारे लिए भाजपा दुश्मन नंबर एक है क्योंकि उन्होंने पूरे (उत्तर) प्रदेश को तबाह कर रखा है, महिला दुखी, किसान दुखी, नौजवान दुखी, सब दुखी हैं। सरकार कहती है कि हम महिलाओं की सुरक्षा कर रहे हैं, लेकिन हर दो घंटे में एक महिला के साथ बलात्कार हो रहा है। उन्होंने एक सवाल के जवाब में कहा कि हाथी सबका साथी, उत्तर प्रदेश के जितने मतदाता हैं हाथी उनका साथी है। बसपा का चुनाव निशान हाथी है। गौरतलब है कि जौनपुर में सोमवार को उत्ध्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने करोड़ों रुपये की परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण करने के बाद मुंगरा बादशाहपुर में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए कहा था, क्या सपा सरकार में आपको राशन मिलता था, सपा सरकार से पहले बहन जी (मायावती) की सरकार में तो हाथी का पेट इतना बड़ा था कि पता ही नहीं लगता था कि जनता का राशन कहां जा रहा है। मिश्र ने भविष्य में समाजवादी पार्टी (सपा) के साथ किसी गठबंधन से इनकार किया। उन्होंने कहा,'' आजकल उत्तर प्रदेश में कोई कांग्रेस का नाम नहीं ले रहा है, उसके पास न घर रह गया, न जमीन रह गई। अगले वर्ष की शुरुआत में होने वाले चुनाव में त्रिशंकु विधानसभा बनने

की स्थिति में भाजपा को समर्थन देने के सवाल पर उन्होंने दावा किया कि किसी भीकीमत पर बसपा भाजपा को समर्थन नहीं देगी। बसपा महासचिव ने भाजपा सरकार पर ब्राह्मण समाज के साथ अत्याचार का आरोप लगाते हुए कहा कि योगी सरकार ने ५०० ब्राह्मणों को ठोंक (मुठभेड़ में मार गिराया) दिया,खुलकर ब्राह्मणों की हत्या हो रही है, एकाउंटर हो रहा है। दलित मतदाताओं के भाजपा की ओर जाने की बात पर उन्होंने कहा, दलित समाज का व्यक्ति भाजपा की शक्ल भी नहीं देखना चाहता है, वह तो चट्टान की तरह बहन मायावती जी के पीछे खड़ा है। ये (भाजपा) दलित की झोपड़ी में खाना खाने अपने घर से खाना लेकर जाते हैं, बहन (मायावती) जी झोपड़ियों में नाटक करने नहीं जाती हैं, वहझोपड़ियों में जो लोग रह रहे हैं उनको झोपड़ी से निकालकर मुफ्त में मकान देने का काम करती हैं और २० लाख से ऊपर तो पहले ही मकान दे चुकी हैं। बसपा में पैसे के लेनदेन के आरोप पर उन्होंने कहा, '' इस तरह के आरोप वे लोग लगाते हैं जिनको टिकट नहीं मिलता है। जो पार्टी के साथ गद्दारी करेगा और उसे धोखा देगा उसे पार्टी से बाहर किया जाएगा।'' मिश्र ने उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव के बाद बसपा की पूर्ण बहुमत से सरकार बनने का दावा किया और कहा कि बसपा सीबीआई से डरने और दबने वाली नहीं हैं। अयोध्या से प्रबुद्ध वर्ग सम्मेलन की शुरुआत करने के सवाल पर उन्होंने कहा, दो साल हो गये, कहां है मंदिर। हम तो अयोध्या में उनको बेनकाब करने गये थे। जो पार्टी अयोध्ध्या के नाम पर हर माह हर बजट में सरकारी धन ले रही है उसने अयोध्या में राम के नाम पर क्या किया। देखिए वहां क्या छीछालेदर है, वहां सड़के तक नहीं है। उन्होंने कहा कि बौखलाहट में बसपा का नकल करकेभाजपा और सपा ने प्रबुद्ध सम्मेलन शुरू किया है।

कम कपड़े पहनने से कोई महान बनता तो राखी सावंत भी बन जातीं, यूपी विधानसभा अध्यक्ष के बयान पर मचा बवाल

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष ह्रदय नारायण दीक्षित ने रविवार को कहा कि अगर कोई कम कपड़े पहनने भर से महान बन जाता तो बलीवुड कलाकार ''राखी सांवत महात्मा गांधी से भी महान बन गई होतीं।'' विधानसभा अध्यक्ष की इस बात पर सोशल मीडिया पर उनकी आलोचना हो रही है। उन्होंने यह बात उन्नाव जिले के बांगरमऊ विधानसभा क्षेत्र में 'प्रबुद्ध वर्ग सम्मेलन' के दौरान कही। दीक्षित के भाषण का यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया,जिसके बाद दीक्षित में कई ट्वीट करके इस संबंध में अपनी सफाई पेश की। दीक्षित ने ट्वीट किया, ''सोशल मीडिया पर कुछ मित्र मेरे भाषण के एक वीडियो अंश को अन्यथा अर्थों के संकेत के साथ प्रसारित कर रहे हैं। वास्तव में यह उन्नाव के प्रबुद्ध सम्मेलन में मेरे भाषण का अंश है। जिसमें सम्मेलन संचालक ने मेरा परिचय देते हुए मुझे प्रबुद्ध लेखक बताया था।'' उन्होंने कहा, ''मैंने इसी बिंदु से बात आगे बढ़ाते हुए कहा कि कुछ पुस्तकों और लेखों के लिखने

से ही कोई प्रबुद्ध नहीं हो जाता। महात्मा गांधी कम कपड़े पहनते थे। देश ने उन्हें बापू कहा। लेकिन इसका अर्थ यह नहीं राखी सावंत भी गांधी जी हो जाएंगी। मित्रगण मेरे भाषण को वास्तविक संदर्भ में ही ग्रहण करने की कृपा करें। धन्यवाद।

कांग्रेस ने उत्तर प्रदेश इकाई के लिए जारी अतिरिक्त पदाधिकारियों की सूची वापस ली

लखनऊ। कांग्रेस ने उत्तर प्रदेश इकाई के लिए अतिरिक्त पदाधिकारियों की वह सूची सोमवार को वापस ले ली, जो उसने एक दिन पहले जारी की थी। कांग्रेस की ओर से कहा गया कि एक अद्यतन सूची जल्द ही जारी की जाएगी। वापस ली गई सूची के अनुसार उपेंद्र सिंह, मकसूद खान और जयवंत सिंह को उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी का उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया था, जबकि दिनेश कुमार सिंह को महासचिव (संगठन) नियुक्त किया गया था। सूची में प्रदेश इकाई में ११ अतिरिक्त महासचिव और २८ सचिवों के नाम भी थे। अब पूरी सूची वापस ले ली गई है और नई सूची अभी जारी की जानी है।

राजनाथ ने अमेरिका के रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन के साथ बात की

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और उनके अमेरिकी समकक्ष लॉयड जे. ऑस्टिन के बीच सोमवार को टेलीफोन पर बातचीत हुई जिसमें अफगानिस्तान के घटनाक्रमों के अलावा आतंकवाद से निपटने के तरीकों और द्विपक्षीय रक्षा सहयोग के मुद्दों पर चर्चा हुई। दोनों नेताओं के बीच यह बातचीत वाशिंगटन में क्वाड नेताओं की प्रत्यक्ष मौजूदगी वाले शिखर सम्मेलन में भाग लेने और न्यूयर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) को संबोधित करने के लिए इस सप्ताह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अमेरिका यात्रा से पहले हुई है। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि सिंह और ऑस्टिन ने क्षेत्र में आतंकवाद का मुकाबला करने के बारे में विचार विमर्श किया और अफगानिस्तान में हालिया निकासी अभियानों में आपसी सहयोग की सराहना की। ऑस्टिन द्वारा शुरू की गई बातचीत के बारे में मंत्रालय ने कहा, ''दोनों पक्षों ने अफगानिस्तान में हालिया निकासी अभियानों में आपसी सहयोग की सराहना की और उभरती स्थिति को देखते हुए नियमित संपर्क में रहने पर सहमति व्यक्त की।'' सिंह ने बातचीत को 'गर्मजोशी भरा' बताते हुए कहा कि 'सार्थक वार्ता' जारी रखने और भारत–अमेरिका साझेदारी को और मजबूत करने पर सहमति बनी। राजनाथ ने कहा, ''रक्षा मंत्री श्री लॉयड ऑस्टिन के साथ टेलीफोन पर गर्मजोशी भरी बातचीत हुई। हमने द्विपक्षीय रक्षा सहयोग और अफगानिस्तान की स्थिति सहित क्षेत्रीय मामलों से संबंधित मुद्दों पर चर्चा की।'' उन्होंने कहा, ''हम सार्थक बातचीत जारी रखने के लिए सहमत हुए तथा साझेदारी को और मजबूत करने के लिए

तत्पर हैं।'' १५ अगस्त को काबुल पर तालिबान के कब्जे के बाद अफगानिस्तान संकट को लेकर भारत और अमेरिका एक–दूसरे के संपर्क में हैं। रक्षा मंत्रालय ने कहा, ''अमेरिकी रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन ने आज शाम रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को फोन किया। दोनों नेताओं ने अफगानिस्तान के घटनाक्रम सहित द्विपक्षीय और क्षेत्रीय मामलों पर चर्चा की। उन्होंने रक्षा सहयोग पर चर्चा की और नजदीकी तौर पर काम करने की बात की।'' प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को कहा था कि अफगानिस्तान में सत्ता परिवर्तन ''समावेशी'' नहीं हुआ है, लिहाजा नयी व्यवस्था की स्वीकार्यता पर सवाल उठते हैं और इस परिस्थिति में उसे मान्यता देने के बारे में वैश्विक समुदाय को ''सामूहिक'' और ''सोच–विचार'' कर फैसला करना चाहिए। प्रधानमंत्री ने साथ ही यह चेताया कि अगर अफगानिस्तान में ''अस्थिरता और कट्टरवाद'' बना रहेगा तो इससे पूरे विश्व में आतंकवादी और अतिवादी विचारधाराओं को बढ़ावा मिलेगा। शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) और सामूहिक सुरक्षा संधि संगठन के राष्ट्राध्यक्षों की परिषद के २१वें शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री मोदी ने अफगानिस्तान के मुद्दे पर भारत का रुख स्पष्ट करते हुए अपने डिजिटल संबोधन में कहा था कि वहां की भूमि का इस्तेमाल किसी भी देश में आतंकवाद फैलाने के लिए नहीं होना चाहिए। २४ सितंबर को क्वाड शिखर सम्मेलन में, अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन, मोदी, ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिसन और जापान के प्रधानमंत्री योशीहिदे सुगा द्वारा अन्य मुद्दों के अलावा, अफगानिस्तान की स्थिति पर विचार–विमर्श किये जाने की उम्मीद है।

उमा भारती ने नौकरशाही पर दिया विवादित बयान, कांग्रेस ने माफी मांगने को कहा

भोपाल, २० सितंबर भाजपा की वरिष्ठ नेता उमा भारती ने नौकरशाही के खिलाफ विवादित बयान देते हुए कहा है, ''ब्यूरोक्रेसी की औकात कुछ नहीं होती है, बल्कि चप्पल उठाने वाली होती है और हमारी चप्पल उठाती है।'' इस पर कांग्रेस ने कहा कि उमा को अपने इस बयान के लिए मांफी मांगनी चाहिए। उमा ने यह बात शनिवार को भोपाल में पिछड़े वर्ग के एक प्रतिनिधिमंडल से अनौपचारिक बातचीत करते हुए कही, जिसे सोशल मीडिया पर विभिन्न उपयोगकर्ताओं ने सोमवार को साझा किया। यह वीडियो वायरल होने के बाद पूर्व केंद्रीय मंत्री ने नौकरशाही के खिलाफ अशोभनीय का इस्तेमाल करने को लेकर खेद प्रकट किया। इस वीडियो में कथित तौर पर उमा कह रही हैं, ''आपको नहीं पता ब्यूरोक्रेसी (नौकरशाही) कुछ नहीं होती, चप्पल उठाने वाली होती है। चप्पल उठाती है हमारी। हम लोग ही राजी हो जाते हैं उसके लिए।'' इसके आगे वह कहती हैं, ''आपको क्या लगता है कि ब्यूरोक्रेसी नेता को घुमाती है। नहीं, नहीं। पहले अकेले में बात हो जाती है और फिर ब्यूरोक्रेसी फाइल उठाकर लाती है। ग्यारह साल तक मैं (केन्द्र में) मंत्री रही हूं, (मध्य प्रदेश की) मुख्यमंत्री भी रही हूं। पहले हमसे बात होती है, फिर फाइल प्रोसेस होती है। उसके बाद फाइल जाती है।'' उमा ने इस वीडियो में आगे कहा, ''ये सब फालतू की बातें हैं कि ब्यूरोक्रेसी घुमाती है। ब्यूरोक्रेसी घुमा ही नहीं सकती। उनकी औकात क्या है? हम उनको तनख्वा दे रहे हैं। हम उनको पोस्टिंग दे रहे हैं। उनकी कोई औकात नहीं है। असली बात तो यह है कि हम ब्यूरोक्रेसी के बहाने अपनी राजनीति साधते हैं।'' वीडियो सामने आने के बाद उमा ने सोमवार शाम को पांच ट्वीट

कर अपना रुख स्पष्ट करते हुए कहा, ''परसों भोपाल में मेरे निवास पर पिछड़े वर्गों का एक प्रतिनिधि मण्डल मुझसे मिला। यह मुलाकात औपचारिक नहीं थी। उस पूरी बातचीत का वीडियो मीडिया में वायरल हुआ है।'' उन्होंने आगे लिखा, ''मैं मीडिया की आभारी हूँ कि उन्होंने मेरा पूरा ही वीडियो दिखा दिया क्यूँकि मैं तो ब्यूरोक्रसी के बचाव में ही बोल रही थी।'' उमा ने कहा, ''मुझे रंज है कि मैंने असंयत का उपयोग किया, जबकि मेरे भाव अच्छे थे। मैंने आज से यह सबक सीखा कि सीमित लोगों के बीच अनौपचारिक बातचीत में भी संयत का प्रयोग करना चाहिये।'' उन्होंने लिखा, ''हम नेताओं में से कुछ सत्ता में बैठे निक्कमे नेता अपने निकम्मेपन से बचने के लिये ब्यूरोक्रेसी की आड़ ले लेते हैं कि 'हम तो बहुत अच्छे हैं लेकिन ब्यूरोक्रसी हमारे अच्छे काम नहीं होने देती', जबकि सच्चाई यह है कि ईमानदार ब्यूरोक्रसी सत्ता में बैठे हुए मजबूत, सच्चे एवं नेक इरादे वाले नेता का साथ देती है। यही मेरा अनुभव है।'' उमा के नौकरशाही पर दिये गये इस विवादित बयान को कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने घोर आपत्तिजनक बताया है और कहा कि उन्हें अपने इस बयान पर माफी मांगनी चाहिए। दिग्विजय ने ट्वीट किया, ''उमा आप मेरी छोटी बहन के नाते मुझे कम बोलने के लिए चेताती रही हैं। लेकिन आपने नौकरशाहों के खिलाफ जो अपशब्दों का उपयोग किया है, वे घोर आपत्तिजनक हैं।'' उन्होंने आगे लिखा, ''भारतीय संविधान में ब्यूरोक्रेसी नियम व कानून के अंतर्गत निष्पक्षता से कार्य करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। वे आपके नौकर नहीं हैं, चप्पल उठाने वाले लोग नहीं हैं। आप (उमा भारती) केंद्रीय मंत्री रही हैं, मुख्यमंत्री रही हैं। इस प्रकार की टिप्पणी आपको नहीं करनी चाहिए। आपको माफी मांगनी चाहिए।

गृह मंत्री अमित शाह ने उल्फा से प्रारंभिक बातचीत करने के लिए मुझे अधिकृत किया है : हिमंत विश्व सरमा

नई दिल्ली। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने सोमवार को कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने उन्हें उग्रवादी समूह उल्फा से प्रारंभिक बातचीत करने के लिए अधिकृत किया है। यहां शाह ने मुलाकातके बाद सरमा ने यह भी कहा कि वह एनएससीएन–आईएम के साथ जारी शांति प्रक्रिया में आंशिक रूप से शामिल हैं लेकिन नगा विद्रोही समूह के साथ आधिकारिक रूप से कोई बातचीत नहीं कर रहे हैं। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, ''उल्फा के साथ शांति वार्ता करने के मुद्दे पर मैंने गृह मंत्री से चर्चा की है। उन्होंने उल्फा से प्रारंभिक बातचीत शुरू करने के लिए मुझे अधिंत किया है।'' मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि अगर चीजें सही दिशा में आगे बढ़ती हैं तो केंद्र सरकार बाद के चरण में उल्फा के साथ शांति वार्ता में शामिल हो सकती है। एनएससीएन–आईएम के साथ बातचीत में उनकी भूमिका के बारे में पूछे जाने पर सरमा ने कहा कि

वह आंशिक रूप से इसमें शामिल हैं लेकिन कभी आधिकारिक रूप से शांति वार्ता में शामिल नहीं हुए। उन्होंने कहा, ''एनईडीए के संयोजक के तौर पर मैंने (नगालैंड में) कुछ राजनीतिक दलों के साथ पहले बात की है।'' सरमा 'नार्थ ईस्ट डेमोक्रेटिक अलायंस' (एनईडीए) के संयोजक हैं जो कि पूर्वोत्तर के लिए राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन का संस्करण है। इस क्षेत्र के मुख्य राजनीतिक दल एनईडीए के घटक हैं। सरमा ने कहा कि वह एनईडीए के संयोजक के तौर पर राजनीतिक स्थिति का जायजा लेने के लिए मंगलवार को नगालैंड जाएंगे। राष्ट्रीय नागरिक पंजी (एनआरसी) का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि असम में एनआरसी की समीक्षा की मांग को लेकर केंद्र और राज्य दोनों सरकारों का रुख एक समान है। हालांकि, इस संबंध में फैसला उच्चतम न्यायालय ही करेगा क्योंकि एनआरसी को शीर्ष अदालत की सीधी निगरानी में तैयार किया गया था।

अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत नरेंद्र गिरी की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत, मौके से बरामद हुआ सुसाइड नोट

प्रयागराज। अखिल भारतीय अखाड़ परिषद के अध्यक्ष महंत नरेंद्र गिरी की सोमवार को संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के मुताबिक प्रयागराज के श्री मठ

बाघंबरी में महंत नरेंद्र गिरी का लटकता हुआ शव मिला। हालांकि मौत के कारणों का पता नहीं चल पाया है। शुरुआती जानकारी के आधार पर पुलिस ने आत्महत्या का मामला बताया लेकिन अभी जांच में जुटी हुई है। पुलिस को मौके से सुसाइट नोट बरामद हुआ है। जिसमें मानसिक रूप से परेशान होने की बात लिखी है। वहीं समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने महंत नरेंद्र गिरी के निधन पर शोक जताया। उन्होंने ट्वीट किया कि अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष पूज्य नरेंद्र गिरी जी का निधन, अपूरणीय क्षति! ईश्वर पुण्य आत्मा को अपने श्री चरणों में स्थान व उनके अनुयायियों को यह दुख सहने की शक्ति प्रदान करें। भावभीनी श्रद्धांजलि।हिन्दू महासभा के अध्यक्ष स्वामी चक्रपाणि ने कहा कि अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत नरेंद्र गिरी जी के निधन की सूचना मिली जो बहुत ही आहत करने वाला है। ये सनातन धर्म के लिए बहुत बड़ी क्षति है। ये अपूरणीय क्षति है। प्रशासन से मांग है कि उनकी मौत की निष्पक्षता से जांच की जाए।

त्योहारों पर कानून-व्यवस्था और सांप्रदायिक सौहार्द बनाये रखने के लिए अधिकारियों को दिशानिर्देश जारी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने शारदीय नवरात्र, विजयादशमी और चेहल्लुम के ष्टिगत कानून–व्यवस्था एवं सांप्रदायिक सौहार्द बनाये रखने के लिए रविवार को अधिकारियों को दिशानिर्देश जारी किए। रविवार को जारी एक सरकारी बयान के अनुसार उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा रविवार को कोविड–१९ की समीक्षा बैठक में दिए गए निर्देशों के क्रम में राज्य सरकार ने इस वर्ष शारदीय नवरात्र, विजयादशमी, दशहरा तथा चेहल्लुम के ष्टिगत कानून व्यवस्था एवं सांप्रदायिक सौहार्द बनाए रखने हेतु दिशानिर्देश जारी किए हैं। अपर मुख्य सचिव (गृह) अवनीश कुमार अवस्थी ने पुलिस व प्रशासनिक

अधिकारियों को भेजे गये निर्देश में नवरात्र, दुर्गा पूजा एवं विजयादशमी, दशहरा पर्व एवं रामलीला मंचन तथा चेहल्लुम के अवसर पर कोविड–१९ महामारी की रोकथाम हेतु दिए गए निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित कराने को कहा है। अवस्थी द्वारा जारी निर्देशों में कहा गया है कि दुर्गा पूजा पंडाल व रामलीला मंच के स्थापना की अनुमति प्रदान करते समय इस बात का ध्यान रखा जाए कि सार्वजनिक आवागमन प्रभावित न हो। मूर्तियों की स्थापना पारंपरिक परंतु खाली स्थान पर की जाए और उनका आकार यथासंभव छोटा रखा जाए, मैदान में क्षमता से अधिक लोग न रहे। आदेश में स्पष्ट कहा गया है कि मूर्तियों के विसर्जन में यथासंभव छोटे वाहनों का प्रयोग किया जाए तथा मूर्ति विसर्जन कार्यक्रम में कम लोग ही शामिल हों।

सरकार की योजना के विरोध में २३ सितंबर को व्यापारियों का प्रदर्शन

अयोध्या। उत्तर प्रदेश सरकार के लिए राम नगरी अयोध्या बड़े ही महत्वपूर्ण है। लेकिन प्रदेश सरकार के कई योजनाओं को लेकर आज अयोध्या के व्यापारी सरकार के

खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। और २३ सितंबर को विरोध प्रदर्शन करते हुए दुकानों को बंद करने का ऐलान भी किया है। अयोध्या के सौंदर्यीकरण योजना के तहत सड़कों के चौड़ीकरण योजना भी अयोध्या में प्रस्तावित है। नया घाट से टेढ़ी बाजार और हनुमानगढ़ी श्री राम जन्म भूमि दर्शन मार्ग के सड़क को चौड़ी किए जाने को लेकर बड़ी योजना तैयार की है। इस योजना के कारण सैकड़ों की तादात में व्यापारियों की दुकान भी प्रभावित हो रहे हैं इसको लेकर अब अयोध्या के व्यापारी इस योजना से नाराजगी जाहिर की है और इस योजना का विरोध कर रहे हैं। इसको लेकर पूर्व में कई बार प्रशासनिक व जनप्रतिनिधियों के माध्यम से अपने नाराजगी को जाहिर किया है तो वहीं इस योजना को लेकर प्रशासनिक अधिकारियों के द्वारा लगातार बढ़ाए जा रहे क्रम को देखते हुए अयोध्या के व्यापारी में जन आक्रोश शुरू हो गया है इसके चलते २३ सितंबर से बाजार बंद करेंगे। व्यापारी नेता नंदकुमार गुप्ता के मुताबिक सरकार के इस योजना से सैकड़ों व्यापारी सड़क पर आ रहे हैं उनकी रोजी–रोटी छीनी जा रही है अयोध्या के व्यापारियों को पहले सही स्थान पर उनके व्यापार को देखते हुए स्थापित किया जाए फिर उन्हें वहां से उजाडा जाए। इस मांग को लेकर कई बार प्रशासनिक अधिकारी व जनप्रतिनिधियों के माध्यम से सरकार से मांग भी किया जा चुका है लेकिन अभी तक कोई सुनवाई नहीं हुई है। हम व्यापारियों की मांग हैं कि जिन लोगो की दुकाने समाप्त हो रही है। उचित मुवाबजा के साथ दुकान दिया जाए। जिसको लेकर व्यापारी बंधुओं ने बाजार बंद करने का निर्णय लिया है।

राम मंदिर परिसर में लगाई जाएंगी 55 देशों से आई शिलाएं!

अयोध्या। राम जन्मभूमि परिसर में मंदिर निर्माण को लेकर तैयारी तेज कर दी गई है। नींव की भराई के बाद अब मंदिर के बेस निर्माण का कार्य शुरू कर दिया गया है। इस बीच श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के द्वारा विश्व के ५५ देशों से आये श्री राम शिलाओं को भी लगाए जाने का निर्णय लिया है। यह शिलाएं कार्यशाला में रखे हुए हैं। अयोध्या में राम मंदिर निर्माण को लेकर राम घाट क्षेत्र स्थित मंदिर निर्माण कार्यशाला मैं पत्थरों की तलाशी का कार्य भी प्रारंभ कर दिया गया है। राजस्थान से आए सात मजदूरों के द्वारा पत्थरों की तलाशी का कार्य किया जा रहा है तो वही जल्दी और कारीगरों को कार्यशाला में लगाए जाने की तैयारी है लेकिन कार्यशाला में कारीगरों के द्वारा कार्य किए जाने के लिए कर जगह की कमी बनी हुई है इसको लेकर अब ट्रस्ट कार्यशाला में रखे श्रीराम शिलाओं को लेकर निर्णय लिया है। और जल्द ही इन पत्थरों को श्री राम जन्मभूमि परिसर पहुंचा दिया जाएगा। जिन्हें राम मंदिर परिसर में होने वाली निर्माण कार्य में लगाया जाएगा। विश्व हिंदू परिषद के मीडिया प्रभारी शरद शर्मा ने बताया कि श्रीराम चलाएं १९८९ में

जब एक श्रीराम सेना और सवा रुपए पूज्य संत धर्माचार्य के आवाहन पर समाज ने समर्पित किया था। और देश के २ लाख ७५ हजार गांव से प्राप्त किया। और यह शिला भारत ही नहीं विश्व के लगभग ५५ देशों से आई थी। इन चुनावों पर श्री राम सिया राम जैसे शब्द लिखे हुए है। और इन सिलाओ के माध्यम से अपने भावनाओं का प्रकटीकरण किया था। कि भव्य राम मंदिर का निर्माण का मार्ग प्रसस्त्र हो सके। विश्व के ५५ देशों में से मुख्य रूप से अमेरिका, सुरीनाम, जर्मनी, वर्मा, थाईलैंड, जापान, इंडोनेशिया, दक्षिण अफ्रीका, श्रीलंका, ब्रिटेन, इंग्लैंड, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया जैसे अन्य स्थानों से जहां जहां हिन्दू समाज के लोग निवास कर रहे हैं। और जिसमे भगवान श्री राम के प्रति आस्था व्याप्त है। उन लोगो ने यह शिलाएं दी थी। वहीं जानकारी दी कि १९८९ में प्रथम शिलान्यास में इन शिलाओं का उपयोग किया गया। इस दौरान लगभग १ लाख शिलाओं पर लगाया गया था। वहीं बाकी १ लाख ७५ हजार शिलाएं आज भी रखी हुई है। और कहा कि ट्रस्ट ने इन शिलाओं को परिसर पहुंचाए जाने का निर्णय लिया है यह बहुत स्वागत योग्य है। क्यों कि इन शिलाओं में राम भक्तों की भावनाएं जुड़ी हुई है। जिसका सम्मान हो ही चाहिए। अगर यह शिलाएं देश दुनिया से नही आती तो जन जागरण नही होता।

भाजपा नेता को दी गई कोरोना वैक्सीन की 5 खुराकें? बढ़ा विवाद

मेरठ। उत्तर प्रदेश में मेरठ जिले के सरधना इलाके में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के एक स्थानीय नेता को कोरोना वायरस रोधी टीके की पांच खुराक लगाए जाने का प्रमाणपत्र मिलने का मामला सामने आया है। यहां जिला मुख्यालय पर मिली जानकारी के अनुसार सरधना नगर के मोहल्ला धर्मपुरी निवासी रामपाल सिंह (७३) ने संक्रमण से बचाव के लिए टीके की दोनों खुराक ले ली है, लेकिन स्वास्थ्य विभाग ने उनके नाम पर जो प्रमाणपत्र जारी किया है, उसमें तीन बार में पांच खुराक लगना दर्शाया गया है। साथ ही छठी खुराक की संभावित तिथि भी पर्चे पर लिखी गई है। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग पर लापरवाही का आरोप लगाया है। रामपाल हिंदू युवा वाहिनी में नगर संयोजक के साथ नगर में भाजपा के ७९ नम्बर बूथ के अध्यक्ष भी हैं। उन्होंने बताया कि १६ मार्च को पहला और आठ मई को दूसरा टीका लगवाया। सिंह ने कहा कि उन्होंने कोरोना वैक्सीनेशन के पोर्टल से अपना अनलाइन प्रमाणपत्र दिखवाया, यहां उन्हें पता चला कि उन्हें दो बार नहीं, बल्कि पांच बार टीका लगना दिखाया गया है। साथ ही छठा टीका आठ दिसंबर से जनवरी २०२२ के बीच में लगवाने के लिए तिथि दी गई हैं। इस मामले में मुख्य चिकित्साधिकारी ड.अखिलेश मोहन का कहना है कि टीके की दो खुराक के लिए पोर्टल पर पंजीकरण किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि यह पहला मामला है जिसमें एक ही व्यक्ति का छह बार टीका लगाने के लिए पंजीकरण हो गया। उन्होंने घटना को किसी की शरारत बताया है। उन्होंने कहा कि घटना की जांच जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ.प्रवीण गौतम को सौंप दी गई है।

अखाड़ा परिषद अध्यक्ष की मौत पर महंत धर्मदास ने कहा, मानसिक उत्पीड़न किया गया, घटना की हो सीबीआई जांच

अयोध्या। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत नरेंद्र देव गिरी किस संदिग्ध परिस्थिति में शव मिलने के बाद देश भर के संतो में आक्रोश है। वही अखाड़ा परिषद के साधु संतों में भी नाराजगी है। निर्वाणी अनी अखाड़ा के महंत धर्मदास ने इस घटना पर निंदा व्यक्त करते हुए उनके शिष्यों पर सीबीआई की जांच की मांग की है। उनके मुताबिक मानसिक उत्पीड़न की शिकार हुए हैं इसकी सत्यता सामने आनी चाहिए। निर्वाणी अनी अखाड़ा के महंत धर्मदास ने अखाड़ा परिषद अध्यक्ष इस संदिग्ध परिस्थिति में शव मिलने को लेकर आशंका व्यक्त किया है। और कहा है कि यह घटना भारतवर्ष के साधु समाज के लिए बहुत ही दुखद संदेश है। इसे हनुमान जी ही अब समन कर सकते हैं। अब महंत नरेंद्र गिरी जी के साथ हुए इस घटना की सीबीआई जांच हो और इसकी सत्य सत्य सामने आए यह जरूरी है नहीं तो यह एक परंपरा चल जाएगा धन–संपत्ति के लिए किसी का कोई भी हत्या कर सकता है। महंत धर्मदास ने कहा कि उनके शिष्य के द्वारा जमीन बेची जाने और संपत्ति को लेकर विवाद चल रहा था जिसको लेकर ५ माह पहले भी उसे अपने स्थान से बाहर कर दिया था लेकिन बाद में फिर समझौता होने के बाद स्थान पर

वापस ले आए थे। आज की यह घटना बहुत ही निंदनीय है। इस घटना के सत्यता की जांच होनी चाहिए तो वही कहा कि संदेह के घेरे में वहां पर रहने वाले सभी शिष्य हैं। महंत नरेंद्र गिरि मानसिक और शारीरिक उत्पीड़न के शिकार हो रहे थे। उनके शिष्य ने पहले भी कई स्थान पर आश्रम बना चुका है इसलिए अब इस घटना में कौन कौन लोग इंवल्व हैं। इसकी जांच होनी चाहिए और मैं भगवान से उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करता हूं।

उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्या ने कहा, राम को ना मानने वाले जप रहे राम नाम

अयोध्या। ओबीसी वर्ग प्रदेश कार्यसमिति की बैठक के समापन के दौरान पहुंचे उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने २०२२ में पूर्ण बहुमत की सरकार बनाए जने का दावा किया है. २० पक्षियों पर भी जमकर हमला बोलते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश में सपा और बसपा प्राइवेट लिमिटेड कंपनियां हैं। जो मालिक कहा वह हो गया। अयोध्या में आयोजित दो दिवसीय ओबीसी वर्ग के प्रदेश कार्यसमिति की बैठक में शामिल होने पहुंचे उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्या ने कहा कि २०२२ में २०१७ की जीत को दोहराएंगे और पूर्ण बहुमत के साथ फिर से प्रदेश में भाजपा की सरकार बनाएंगे हमारा लक्ष्य २०२२ भी है और २०२४ भी है हमारे कार्यकर्ताओं में अत्यधिक होता है तो वही बताया कि साढ़े ४ वर्षों

अच्छा कार्य किया है। और बिना भ्रष्टाचार के सरकार की योजनाएं लोगों तक पहुंची है हमारा संगठन मजबूती के साथ खड़ा है तो वहीं सपा बसपा और कांग्रेस के कारनामों को भी जनता याद रखी हुई है। वही उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक पार्टियों की अयोध्या से चुनावी प्रचार किये जाने को लेकर कहा कि यह भारतीय जनता पार्टी की वैचारिक विजय हैं क्योंकि पहले यही लोग कहते थे कि भगवान श्री राम पैदा हुए ही नहीं कोई राम भक्त अयोध्या आता था तो उसे गोली से मरवा दिया जाता था लेकिन आज उन्हीं को राम नाम का जप करना पड़ रहा है ओम नमः शिवाय करना पड़ रहा है और अयोध्या आकर दर्शन भी करना पड़ रहा है। जो हमारी चुनावी और वैचारिक जीत हुई है।

कृषि कानूनों को लेकर पूरा देश सरकार के साथ है, षि मंत्री बोले- प्रस्ताव दे पाने में सक्षम नहीं हैं किसान संगठन

नयी दिल्ली। केंद्रीय कृषि कानूनों के खिलाफ किसानों का पिछले १० महीने से आंदोलन जारी है। इसी बीच केंद्रीय ेषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर का बयान सामने आया। उन्होंने दावा किया कि केंद्रीय ेषि कानूनों को लेकर पूरा देश सरकार के साथ खड़ा है। उन्होंने कहा कि कुछ किसान संगठनों के साथ हमारी ११ दौर की वार्ता हो चुकी है। समाचार एजेंसी एएनआई के मुताबिक केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि भाजपा हमेशा ही किसानों के साथ खड़ी रहती है। साल २०१४ के बाद सरकार ने किसानों की आय दोगुनी करने को लेकर कई महत्वपूर्ण फैसले लिए हैं और वो इससे खुश हैं। पूरा देश तीनों कृषि कानूनों को लेकर सरकार के साथ खड़ा है। उन्होंने कहा कि हमने विरोध कर रहे कुछ किसान संगठनों के साथ ११ दौर की वार्ता की और उनसे उनका प्रस्ताव मांगा लेकिन वो अपना प्रस्ताव दे पाने में सक्षम ही नहीं है। इसी बीच केंद्रीय कृषि मंत्री पंजाब की राजनीतिक स्थिति पर भी टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस आंतरिक कलह से ग्रस्त है। कांग्रेस का नेतृत्व अप्रासंगिक हो चुका है। ये पंजाब में और देश में कहीं कहीं दिखाई देता है। गौरतलब है कि केंद्रीय ेषि कानूनों को लेकर किसान संगठनों का विरोध ा प्रदर्शन जारी है। उनकी मांग है कि सरकार तीनों कृषि कानूनों को वापस ले और न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) कानून बनाए।

उपमुख्यमंत्री दिनेश शर्मा ने पत्रकार रमेश ठाकुर को किया सम्मानित

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री डॉ दिनेश शर्मा व जलशक्ति मंत्री डॉ महेंद्र सिंह ने संयुक्त रूप से पत्रकार रमेश ठाकुर को सम्मानित किया। उन्हें ये सम्मान उनके बाल संरक्षण मुहिम में दिए जा रहे योगदान व जमीनी स्तर की पत्रकारिता के जरिए सामाजिक समरसता को बढ़ावा देने के लिए दिया। रमेश ठाकुर के इन प्रयासों को संग्रह करते हुए मीडिया फेडरेशन ऑफ इंडिया ने उन्हें अवॉर्ड के लिए चुना। संस्था के अध्यक्ष अरुण शर्मा ने बताया कि रमेश ठाकुर को ये अवॉर्ड बाल कल्याण में दिए जा रहे उनके योगदान के लिए दिया गया। अभी हाल ही में उन्होंने अपने प्रयासों से पुलिस के सहयोग से एक बच्ची को अपहरणकर्ताओं से छुडवाया था। लखनऊ के सीएमएस विकासखंड गोमती नगर के सभागार में आयोजित रंगारंग कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे उत्तर प्रदेश के डिप्टी मुख्यमंत्री डॉ दिनेश शर्मा और विशिष्ठ अतिथि जल शक्ति मंत्री महेंद्र सिंह ने अंगवस्त्र उठाकर ट्रॉफी व सर्टिफिकेट देकर रमेश ठाकुर का सहसम्मान किया। रमेश केंद्र की सरकारी समिति राष्ट्रीय जन सहयोग एवं बाल विकास में सदस्य हैं। उनके अथक प्रयास बाल कल्याण एवं बाल संरक्षण क्षेत्र में विशेष भूमिका निभा रहे हैं। ठाकुर मूलतः पीलीभीत से ताल्लुक रखते हैं। उन्हें मिले इस सम्मान पर पीलीभीत से सांसद वरुण गांधी, केंद्रीय गृह राज्यमंत्री अजय मिश्रा व केंद्रीय बाल संरक्षण आयोग के अध्यक्ष प्रियंक कानूनगो ने बधाई प्रेषित की। विभागीय मंत्री स्मृति ईरानी ने भी रमेश ठाकुर को फोन पर बधाई दीं।

मुंबई में समुद्र से बरामद किया गया एक और शव, मृतक संख्या तीन हुई

मुंबई। महाराष्ट्र के वर्सोवा में अरब सागर में गणपति प्रतिमा के विसर्जन के दौरान डूबे २१ वर्षीय युवक का शव घटना के ३२ घंटे बाद मंगलवार की सुबह बरामद किया गया। नगर निकाय के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि विजय पाटिल का शव वर्सोवा में समुद्र से निकाल लिया गया। अधिकारियों ने बताया कि जुहू में कूपर अस्पताल के डक्टरों ने पाटिल को "मृत लाया हुआ घोषित" किया। प्रतिमा विसर्जन के दौरान सोमवार को पाटिल समेत तीन युवक समुद्र में बह गए थे। दो युवकों के शव सोमवार को बरामद किए गए। उन दोनों युवकों की उम्र क्रमशरू १८ और २० वर्ष थी। रविवार रात करीब नौ बजे पांच युवक वर्सोवा जेट्टी में समुद्र में प्रतिमा विसर्जन के लिए गए थे। दो युवकों को स्थानीय लोगों ने बचा लिया लेकिन तीन अन्य समुद्र में बह गए। मुंबई एवं महाराष्ट्र के अन्य हिस्सों में १० दिवसीय गणेश उत्सव के आखिरी दिन रविवार को गणेश और गौरी की प्रतिमा का विभिन्न जलाशयों में विसर्जन किया गया।

राहुल के इस्तीफे के बाद बिखर गए थे वफादार, फिर से युवा टीम तैयार करने की कवायद शुरू, कई नेताओं से हो रही बात

नयी दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी पार्टी को मजबूत करने की दिशा में पहल कर चुके हैं। बताया जा रहा है कि राहुल गांधी अपनी टीम को फिर से मजबूत कर रहे हैं। हालांकि पिछली बार उनके अध्यक्ष पद छोड़ने के बाद टीम विखर गई थी और कुछ ने तो भविष्य की अनिश्चिताओं को देखते हुए पार्टी का भी साथ छोड़ दिया था। कांग्रेस के सोशल मीडिया विभाग के पदाधिकारियों के साथ डिजिटल कार्यक्रम में राहुल गांधी ने कहा था कि जो लोग हकीकत और भाजपा का सामना नहीं कर सकते वो पार्टी छोड़ सकते हैं और निडर नेताओं को कांग्रेस में लाना चाहिए। राहुल ने यह बात जुलाई में कही थी लेकिन अब इसके मायने समझ में आने लगे हैं। चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर को कांग्रेस में शामिल कराने की योजना तैयार है। राहुल चाहते हैं कि प्रशांत किशोर को जल्द से जल्द पार्टी में लाया जाए। वहीं राहुल ने हाल ही में जेएनयू के पूर्व छात्रसंघ नेता कन्हैया कुमार से भी मुलाकात की थी। जिसके बाद राजनीतिक गलियारों में कन्हैया कुमार के कांग्रेस में शामिल होने की संभावनाएं जताई जाने लगी। प्राप्त जानकारी के मुताबिक भाकपा के भीतर सहज नहीं महसूस कर पा रहे कन्हैया कुमार और गुजरात के निर्दलीय विधायक जिग्नेश मेवानी इस महीने के आखिर तक कांग्रेस में शामिल हो सकते हैं। कांग्रेस सूत्रों ने बताया कि कन्हैया और जिग्नेश २८ सितंबर को शहीद भगत सिंह की जयंती पर कांग्रेस का दामन थाम सकते हैं। इनके अलावा अलग–अलग राज्यों के कई युवा नेताओं को राहुल ने चिन्हित किया है और उन्हें जल्द ही पार्टी में शामिल कराया जा सकता है। सूत्रों ने बताया कि गुजरात प्रदेश कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष हार्दिक पटेल ही कन्हैया और जिग्नेश को लेकर पार्टी के आलानेतृत्व के बीच बातचीत की मध्यस्थता कर रहे हैं। लोकसभा चुनाव २०१६ में कांग्रेस को करारी हार का सामना करना पड़ा था। जिसके बाद राहुल गांधी ने नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए अध्यक्ष पद से

इस्तीफा दे दिया था और कांग्रेस कार्यसमिति के समक्ष स्पष्ट कर दिया था कि उनकी बहन प्रियंका को अध्यक्ष बनाने के बारे में बिल्कुल भी न सोचा जाए। राहुल के इस्तीफे के बाद उनके वफादार माने जाने वाले युवा नेता बिखर गए। पार्टी ने उन्हें साइडलाइन कर दिया। जिसके बाद कुछ ने तो पार्टी छोड़ दी और कुछ सक्रिय राजनीति से दूर हो गए। आपको बता दें कि राहुल के मित्र ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कांग्रेस छोड़कर भाजपा का दामन थाम लिया। जिसकी वजह से मध्य प्रदेश की कमलनाथ सरकार गिर गई और फिर उन्हें भाजपा ने मंत्री बना दिया। जितिन प्रसाद ने भी अपना रास्ता बदल लिया और भाजपा में चले गए। सचिन पायलट ने भी कोशिश की थी लेकिन उनकी किस्मत ने उनका साथ नहीं दिया, अभी वो कांग्रेस में ही हैं और खुद को अकेला महसूस कर रहे हैं। जबकि सुष्मिता देव ने कांग्रेस छोड़कर ममता के खेमे से जुड़ गईं लेकिन अपनी पुरानी पार्टी के बारे में कुछ भी उल्टा सीधा नहीं कहा। राहुल की टीम के नेताओं ने एक–एक कर पार्टी को अलविदा कहा। जिसके बाद राहुल पर सवाल खड़ा हुआ। पार्टी के वरिष्ठ नेता कपिल सिब्बल ने तो सुष्मिता देव के जाने पर नाराजगी जताई थी और कहा था कि जब युवा चले जाते हैं तो बूढ़ों को इसे मजबूत करने के प्रयासों के लिए दोषी ठहराया जाता है। पार्टी आगे बढ़ती रहती है वो भी आंखें बंद करके। लेकिन कपिल सिब्बल के इस ट्वीट का जवाब राहुल गांधी के कुछ वक्त पहले दिए गए बयान में दिखाई देता है। राहुल ने कहा था कि बहुत सारे लोग जो डरे हुए नहीं है, लेकिन कांग्रेस से बाहर हैं। ऐसे सभी लोग हमारे हैं। उन्हें अंदर लाइए और जो हमारी पार्टी में हैं और डरे हुए हैं उन्हें बाहर करना चाहिए। उन्होंने कहा था कि ये आरएसएस के लोग हैं और उन्हें बाहर जाना चाहिए, उन्हें आनंद लेने दीजिए। हम उन्हें नहीं चाहते हैं, उनकी जरूरत नहीं है। हमें निडर लोगों की जरूरत है। यही हमारी विचारधारा है। यही आप लोगों को मेरा बुनियादी संदेश है। इस दौरान उन्होंने अपने करीबी मित्र ज्योतिरादित्य सिंधिया के पार्टी छोड़ने की बात भी कही। उन्होंने कहा था कि उन्हें अपना घर बचाना था, वह डर गए और आरएसएस के साथ चले गए।

सीएम योगी ने भरी हुंकार, बोले-अबकी बार ३५० पार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में भाजपा की सरकार के १६ सितंबर को साढ़े चार वर्ष का कार्यकाल पूरा होने पर पार्टी सात अक्टूबर तक प्रदेश में विजय उत्सव मनाएगी। सीएम योगी आदित्यनाथ ने भी इस दौरान हुंकार भरी है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने बोला है कि प्रदेश में २०२२ में होने

वाले विधानसभा चुनाव में भाजपा ४०३ में से ३५० के पार सीट जीतेगी।सीएम योगी आदित्यनाथ ने इस दौरान कहा कि भाजपा की उत्तर प्रदेश सरकार ने साढ़े चार वर्ष में देश को सुरक्षा और सुशासन का मडल दिया है। जनता, संगठन और सरकार के समुचित प्रयास से नए भारत का नया उत्तर प्रदेश उभरा है। यह तभी संभव हो सका जब हमने लोकसंकल्प कल्याण का हर एक वादा पूरा किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश सरकार के साढ़े चार वर्ष के कार्यकाल को सुरक्षा और सुशासन के लिहाज से मानक गढने वाला काल कहा है। सूबे में जनता, संगठन और सरकार के एकजुट प्रयास से राष्ट्रीय पटल पर उत्तर प्रदेश को लेकर लोगों की धारणा काफी बदली है। शासन के प्रति भी प्रदेश की जनता का भरोसा बढ़ा है और अब यही विश्वास २०२२ के चुनाव में ३५० सीटों के भारी बहुमत के साथ एक बार फिर हमारी जीत सुनिश्चित करेगी।सीएम योगी आदित्यनाथ ने इस दौरान विपक्ष को भी नसीहत दी। इतना ही नहीं उन्होंने विपक्ष के नेताओं को न्यौता भी दिया है। उन्होंने कहा कि विपक्ष के नेता भाजपा संगठन प्रशिक्षण शिविर में आकर अपना ज्ञान बढ़ाएं। इससे प्रदेश की जनता को भी बड़ा लाभ होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि २०१७ विधानसभा चुनाव में जनता के सामने प्रस्तुत लोककल्याण संकल्प पत्र का एक–एक वादा पूरा किया गया है। विपक्ष को अपनी जानकारी बढ़ाने के लिए भाजपा संगठन के प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल होना चाहिए।

नवरात्रि, विजयादशमी व चेहल्लुम को लेकर जारी की गाइडलाइन

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश के बाद शासन ने शारदीय नवरात्रि, विजयादशमी, रामलीला मंचन और चेहल्लुम को लेकर कोविड–१६ प्रोटोकाल, कानून व्यवस्था एवं सांप्रदायिक सौहार्द बनाए रखने के लिए गाइडलाइन जारी की है। पर्वों के अवसर पर कोविड–१६ महामारी की रोकथाम हेतु दिए गए निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित कराए जाने के निर्देश दिए गए हैं।अपर मुख्य सचिव गृह अवनीश कुमार अवस्थी ने कहा है कि दुर्गा पूजा पंडाल और रामलीला मंच के स्थापना की अनुमति प्रदान करते समय इस बात का ध्यान रखा जाए कि सार्वजनिक आवागमन प्रभावित न हो। मूर्तियों की स्थापना पारंपरिक परंतु खाली स्थान पर की जाए, उनका आकार यथासंभव छोटा रखा जाए। मैदान की क्षमता से अधिक लोग न रहें। मूर्तियों के विसर्जन में यथासंभव छोटे वाहनों का प्रयोग किया जाए और मूर्ति विसर्जन कार्यक्रम में न्यूनतम व्यक्ति ही शामिल हो। मूर्ति विसर्जन के समय निर्धारित सीमा से अधिक लोग न हों और शारीरिक दूरी व मास्क पहनने के नियमों का पालन अवश्य किया जाए।

यह सुनिश्चित किया जाए कि किसी भी धार्मिक स्थल पर क्षमता से अधिक लोगों की भीड़ एकत्र न होने पाए। जारी निर्देशों में कहा गया है कि यह सुनिश्चित किया जाए कि यातायात कदापि बाधित न हो और बैरियर व पुलिस चेक पोस्ट लगाकर संदिग्ध वाहनों की चेकिंग कराई जाए। इसके साथ ही मोटर वाहन अधिनियम के नियमों का सख्ती से पालन किया जाए। साथ ही जन सुविधाएं जैसे बिजली पेयजल एवं साफ सफाई पर भी विशेष ध्यान देने के लिए कहा गया है। जिला व पुलिस प्रशासन के अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि वे सुनिश्चित करें कि इस अवसर पर सामाजिक एवं सांप्रदायिक सौहार्द बना रहे।सुरक्षा व्यवस्था इस प्रकार सुनिश्चित की जाए कि किसी भी तरह की कानून व्यवस्था की समस्या उत्पन्न न होने पाए। संवेदनशील क्षेत्रों व अन्य स्थानों पर भी मोबाइल पेट्रोलिंग कराई जाए। शासन ने चेहल्लुम के अवसर पर कानून व्यवस्था एवं सांप्रदायिक सौहार्द बनाए रखने के लिए और कोविड–१६ महामारी के प्रभाव को कम करने के लिए भी आवश्यक निर्देश जारी किए गए हैं। जिला प्रशासन से यह भी अपेक्षा की गई है कि अनुमति इस शर्त के साथ दी जाए कि कोविड–१६ प्रोटोकाल का कड़ाई से पालन किया जाए।

अलग–अलग सड़क दुर्घटनाओं में दो व्यक्तियों की मौत

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के मोहनलालगंज थाना क्षेत्र के अंतर्गत अलग–अलग सड़क दुर्घटनाओं में दो व्यक्तियों की मौत हो गई वही एक का इलाज जारी है प्राप्त जानकारी के मुताबिक मोहनलालगंज कस्बा निवासी शहीद मोहम्मद उम्र(२५) वर्ष पुत्र शाहिद अली इस दुर्घटना में मौत हो गई वही दूसरी घटना भाटन खेड़ा के पास की है जहां पर दो मोटरसाइकिल की आपस में टक्कर हो जाने से एक व्यक्ति की मौत हो गई वही दूसरे व्यक्ति की इलाज चल रहा है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक मोहनलालगंज थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम हुलास खेड़ा निवासी श्यामलाल पुत्र प्रभु अपने साथी राकेश के साथ सिसेंडी की तरफ जा रहे थे कि भाटन खेड़ा मोड़ के पास तेज रफ्तार गाड़ी के चालक ने लापरवाही पूर्वक गाड़ी चलाते हुए टक्कर मार दी तेज रफ्तार टक्कर से दोनों व्यक्ति दूर जा गिरे वही राकेश कुमार एंबुलेंस को सूचना दी मौके पर पहुंची एंबुलेंस ने दोनों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया जहां पर श्यामलाल की स्थिति को गंभीर देखते हुए डक्टरों ने ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया जहां पर उपचार के दौरान श्यामलाल की मृत्यु हो गई वही श्यामलाल के बेटे के तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है

निजीकरण को रोकने के लिए कर्मचारियों की एकजुटता आवश्यक : रूपेश कुमार

लखनऊ। आज यूपी रोडवेज इंप्लाइज यूनियन लखनऊ क्षेत्र के अंतर्गत अवध डिपो शाखा के चुनाव में विजई प्रत्याशियों के शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया एवं साथ ही तमाम कर्मचारियों को सदस्य भी बनाया गया। कार्यक्रम का आयोजन यूपी रोडवेज इम्प्लाइज यूनियन के क्षेत्रीय अध्यक्ष रूपेश कुमार की उपस्थिति में अवध डिपो शाखा के पदाधिकारियों द्वारा किया गया था। कार्यक्रम में पूर्व में चूने हुए पदाधिकारियों को शपथ दिलाई गई तथा अन्य संगठनों को छोड़कर कर आए लगभग १५० कर्मचारियों को संगठन की सदस्यता दिलाई गई। क्षेत्रीय अध्यक्ष रूपेश कुमार ने कर्मचारियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए कर्मचारियों को एक जुट होकर कार्य करना पड़ेगा। क्योंकि परिवहन निगम सरकार के निशाने पर है और कभी भी इसका निजीकरण किया जा सकता है। इसलिए हम सभी को एकजुट होकर परिवहन निगम के अस्तित्व को बचाना है। उन्होंने कहा कि निजीकरण को रोकने एवं परिवहन निगम को राजकीय

रोडवेज घोषित करने के लिए हम लड़ाई लड़ने को तैयार हैं। इस लड़ाई में कर्मचारियों की एकजुटता आवश्यक है। रूपेश कुमार ने कहा कि हम सभी को मिलकर परिवहन निगम की आय को बढ़ाने का भी पूरा प्रयास करना चाहिए। निगम की आय बढ़नें से निजीकरण की सम्भावना में कमी आएगी।कार्यक्रम में विभिन्न संगठनों से आए दानिश उमर, पुष्पेंद्र सिंह, राहुल सोनकर, चन्द्र पल, जे.आर. खान, रजनीश श्रीवास्तव, महेश कुमार, राजेश रावत, रमेश कुमार सहित तमाम कर्मचारियों को सदस्यता ग्रहण कराई गई। कार्यक्रम में क्षेत्रीय मंत्री सुभाष कुमार वर्मा क्षेत्रीय प्रतिनिधि एनएन पांडे एवं अन्य डिपो के शाखा अध्यक्ष शाखा मंत्री रामेष्वर पांडे, आरपी सिंह, राजेश मिश्रा, कमर अली, इन्द्र मिश्रा, रामन प्रकाश, अशोक यादव, रामबालक, सुनील कुमार, एस. पी.सोनकर, शीतल प्रसाद, नरेंद्र सिंह, मो.आदिल, वीरेन्द्र कुमार, रामस्वरूप, महेन्द्रपाल सिंह, जितेंद्र कुमार, मो.जावेद, अनवर, अंजली रस्तोगी, निमेंन्द्र कुमार एवं तमाम कर्मचारी उपस्थित रहे।

कुर्सी फैक्ट्री और गोदाम में भीषण आग

लखनऊ। बीकेटी फायर स्टेशन से चंद कदम दूर रैंथा रोड कमला बाद बढ़ौली में रविवार सुबह एक प्लास्टिक की कुर्सी बनाने वाले फैक्ट्री में भीषण आग लग गई। परिसर में ही गोदाम था जहां कुर्सियां भरीं थीं। सूचना पर बीकेटी, चौक और इंदिरानगर समेत कई फायर स्टेशन से गाड़ियां करीब दर्जन भर गाड़ियां मौके पर पहुंची। दमकल कर्मियों ने तीन घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया।रैंथा रोड कमला बाद बढ़ौली में डायमंड के नाम से कुर्सी फैक्ट्री है। रविवार सुबह फैक्ट्री के गोदाम से एकाएक धुंआ और आग की लपटें निकलती देख कर्मचारी शोर मचाते हुए भागे। कर्मचारियों ने सबमर्सिबल पंप स्टार्ट कर आग पर काबू पाने का प्रयास किया। फैक्ट्री से आग निकलती देख बीकेटी फायर स्टेशन से कर्मचारी गाड़ी लेकर पहुंचे और आग पर काबू पाने लगे। प्लास्टिक में आग थी इस कारण देखते–देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। इस बीच मड़ियांव इंस्पेक्टर मनोज कुमार सिंह भी पुलिस बल के साथ पहुंचे। दमकल कर्मियों चौक, इंदिरानगर और कई अन्य फायर स्टेशनों से गाड़ियां बुलाई। दमकल कर्मियों ने करीब तीन घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। गोदाम में कुर्सियां ऊपर तक भरीं थीं। सीएफओ विजय कुमार सिंह ने बताया कि आग बड़ी थी। समय रहते काबू पा लिया गया था। प्लास्टिक की फैक्ट्री थी इस लिए फायर फाइटिंग में दिक्कतें हुईं। आग संभवतः शार्ट सर्किट से लगी है।घटना से फैक्ट्री परिसर ही नहीं आस पास के इलाके में भीषण ध ुंआ फैल गया। धुंआ ऐसा था कि चार से पांच किमी दूरी से दिखाई दे रहा था। दम घोंटू धुंए के कारण लोगों दमकल कर्मियों और आस पास के लोगों को सांस लेने में दिक्कत होने लगी। दमकल कर्मियों ने इसके बाद बीए (ब्रीदिंग आपरेटस सेट) पहना। इसके बाद वह धुंए में फायर फाइटिंग कर सके। इंस्पेक्टर मड़ियांव ने बताया कि आग से कोई हताहत नहीं हुआ है।

मायावती बोलीं– दलित समुदाय के व्यक्ति को मुख्यमंत्री बनाना चुनावी हथकंडा

लखनऊ। पंजाब में दलित समुदाय से आने वाले चरणजीत सिंह चन्नी के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के बाद बहुजन समाज पार्टी (बसपा) अध्यक्ष मायावती ने सोमवार को इसे चुनावी हथकंडा बताते हुये कहा कि विधानसभा चुनाव में बसपा और अकाली दल गठबंधन से कांग्रेस बहुत ज्यादा घबरायी हुई है, इसीलिये उसने ऐसा किया है। मायावती ने मीडिया से बात करते हुये कहा, ''पंजाब में दलित समुदाय के व्यक्ति को मुख्यमंत्री बनाया जाना चुनावी हथकंडा है, इसके सिवाये कुछ नहीं है। मीडिया के जरिये पता चला है कि पंजाब में आगामी विधानसभा चुनाव इनके (चन्नी के) नेतृत्व में नहीं बल्कि गैर दलित के नेतृत्व में ही लड़ा जाएगा, जिससे यह साफ जाहिर है कि कांग्रेस पार्टी का अभी तक दलितों पर पूरा भरोसा नहीं जमा है। किन्तु इनके इस दोहरे चाल–चरित्र व चेहरे आदि से वहां के दलित वर्ग के लोगों को सावधान रहना है। इससे यह भी स्पष्ट है कि कांग्रेस पार्टी यहां अकाली दल व बसपा के गठबंधन से बहुत ज्यादा घबरायी हुई है। मुझे पूरा भरोसा है कि पंजाब के दलित वर्ग के लोग इनके इस हथकंडे के बहकावे में कतई नहीं आयेंगे।'' उन्होंने कहा, ''इनको

(कांग्रेस) व अन्य विरोधी पार्टियों को मुसीबत में ही या मजबूरी में ही दलित वर्ग के लोग याद आते हैं। बाबा साहेब आंबेडकर का ही उदाहरण लीजिये, जब अंग्रेज भारत छोड़ कर चले गये थे उस समय कांग्रेस के पास, पंडित जवाहर लाल नेहरू के पास यदि बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर से ज्यादा काबिल आदमी होता तो यह किसी भी कीमत पर बाबा साहेब को भारतीय संविधान बनाने में शामिल नहीं करते।'' मायावती ने कहा कि इसी प्रकार उप्र विधानसभा चुनाव में कुछ समय बचा है और यहां भारतीय जनता पार्टी का ओबीसी समाज के प्रति उभरा नया नया प्रेम दिखावटी और हवाहवाई है। उन्होंने कहा, ''अगर यह प्रेम सार्थक होता तो इनकी केंद्र व राज्यों में सरकारें हैं तो सरकारी नौकरियों में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (एससी व एसटी) के बैकलग को भर देते। आज भी एससी एसटी का मामला हो या ओबीसी का, सरकारी नौकरियों में इनके पद अभी भी खाली पड़े हैं। गौरतलब है कि पंजाब में कांग्रेस विधायक दल के नेता चरणजीत सिंह चन्नी ने सोमवार को मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। चन्नी पंजाब में मुख्यमंत्री बनने वाले दलित समुदाय के पहले व्यक्ति हैं। बसपा और शिरोमणि अकाली दल ने पंजाब के आगामी विधानसभा चुनाव के लिये जून माह में गठबंधन किया था।

मामूली बात पर बेटे ने पिता को मार दी गोली

लखनऊ। चिनहट में रविवार सुबह मामूली बात पर बेटे ने पिता को गोली मार दी। हमले में पिता गंभीर रूप से घायल हो गए। परिवार के लोग उन्हें लोहिया अस्पताल लेकर गए, जहां हालत गंभीर होने पर डक्टरों ने उन्हें ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया। देवा रोड स्थित कोहिनूर अपार्टमेंट में रहे वाले अखिलेश सिंह रविवार को घर पर मौजूद थे। बताया जा रहा है कि अखिलेश ने बेटे अमन से पढ़ाई लिखाई नहीं करने पर नाराजगी जताई इस दौरान पिता पुत्र में कहासुनी शुरू हो गई।देखते ही देखते अमन गुस्से से तमतमा उठा। अमन ने पिता का लाइसेंसी असलहा निकाल लिया। यह देख अखिलेश ने उससे असलहा छिनने की कोशिश की। हालांकि तब तक अमन ने गोली चला दी। गोली अखिलेश के कमर के नीचे लगी है। गोली चलने की आवाज सुनकर परिवार के अन्य सदस्य वहां पहुँचे और कमरे के भीतर का नजारा देखकर चौक पड़े। आनन फानन अखिलेश को लोहिया अस्पताल ले जाया गया। इस बीच चिनहट पुलिस भी मौके पर पहुँच गई। हालांकि तब तक अमन वहां से भाग निकला। इंस्पेक्टर का कहना है कि पिता से विवाद के बाद बेटे ने गोली चलाई थी। आरोपित की तलाश की जा रही है। अभी तक इस मामले में कोई तहरीर नहीं मिली है। अखिलेश की हालत खतरे से बाहर है।

हमारे अन्य प्रतिनिधि
संजय बाजपेई
सीतापुर
मो.9935160370
प्रियंका त्रिपाठी
नई दिल्ली
विधिक सलाहकार
सुरेश नारायण मिश्र
क्षेत्रीय सम्पादक
सौरभ कुमार, बिहार
मो.09386075289
मो० अरशद
ब्यूरो चीफ
मऊ

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय द्वारा सांई आफसेट प्रिन्टर्स, 40 वासुदेव भवन भातखण्डे संगीत महाविद्यालय के पीछे, कैसरबाग लखनऊ से छपवाकर एमआईजी 2/379 रश्मिखंड शारदानगर आशियाना लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।
आर.एन.आई
UPHIN/2010/32566
सम्पादक
आरती पाण्डेय
मो.9415087228
9889745884. 9807059191. 9026560178
Email-
adbhutsamachar@yahoo.in
adbhut_samachar@rediffmail.com
सभी विवादों का न्यायक्षेत्र लखनऊ होगा।

पोर्नोग्राफी केस में राज कुंद्रा को बड़ी राहत, कोर्ट से मिली जमानत, कल होंगे रिहा

मुंबई। पोर्नोग्राफी वीडियो मामले में जेल की सलाखों के पीछे बंद एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी और बिजनेसमेन राज कुंद्रा को आज मुंबई कोर्ट ने बड़ी राहत देते हुए जमानत दे दी है। कोर्ट ने राज कुंद्रा को ५० हजार के मुचलके पर जमानत दी है। यहीं

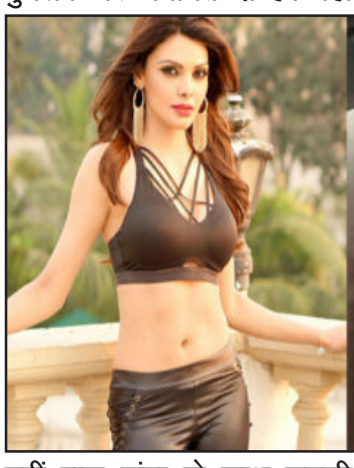

नहीं राज कुंद्रा के साथ उनकी कंपनी के आईटी हेड रेयान थोर्प को भी कोर्ट से जमानत मिल गई है। दोनों को कल मंगलवार को आर्थर रोड जेल से रिहा किया जाएगा। कुंद्रा ने शनिवार को जमानत अर्जी दाखिल कर दावा किया था कि उन्हें 'बलि का बकरा' बनाया जा रहा है। मामले में दाखिल चार्जशीट में उनके खिलाफ कोई सबूत नहीं है। मुंबई पुलिस ने जानकारी साझा की थी कि चार्टशीट में ४३ गवाहों के बयान रिकॉर्ड किए गए हैं। इन ४३ गवाहों में राज कुंद्रा की पत्नी और एट्रेस शिल्पा शेट्टी और शर्लिन चोपड़ा भी शामिल हैं। मामले की जांच कर रही मुंबई क्राइम ब्रांच ने कुंद्रा और तीन अन्य के खिलाफ कथित तौर पर अश्लील फिल्म बनाने और ऐप की मदद से प्रसारित करने के आरोप में १५ सितंबर को पूरक आरोप पत्र दाखिल किया था। आरोप पत्र के मुताबिक, बॉलीवुड अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी ने मुंबई पुलिस को दिए एक बयान में दावा किया कि उन्हें अपने पति राज कुंद्रा की गतिविधियों के बारे में जानकारी नहीं थी वह अपने काम में व्यस्त रहती थीं। वह हॉटशट्स और बॉलीवुड फेम ऐप के बारे में कुछ नहीं जानती हैं। वहीं अभिनेत्री शर्लिन चोपड़ा ने अपने बयान में पुलिस को बताया कि कुंद्रा ने उनसे हॉटशट्स ऐप के लिए काम करने को कहा था। बता दें कि, राज कुंद्रा को पुलिस ने १६ जुलाई को गिफ्तार किया गया था। उनके खिलाफ भारतीय दंड संहिता और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।

कंगना रनौत कोर्ट में हुई पेश, जावेद अख्तर पर ही कर दिया काउंटर केस

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत और गीतकार जावेद अख्तर के बीच का झगड़ा बढ़ता हुआ दिख रहा है. कोर्ट के सख्त होने के बाद कंगना रनौत आज कोर्ट में पेश हुई. कंगना के साथ ही जावेद अख्तर भी कोर्ट में मौजूद रहे. कंगना ने जावेद अख्तर पर पलटवार करते हुए कई आरोप लगाए. इसके साथ ही कंगना ने काउंटर केस कर दिया. अदालत में सुनवाई के दौरान

सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए बाहर भी फैंस की भीड़ लगी रही. मुंबई के अंधेरी कोर्ट में सुनवाई के बात करना है केस को दूसरे कोर्ट में ट्रांसफर करने की मांग भी की. कंगना को सीधे मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया गया. कंगना की मांगों पर मजिस्ट्रेट ने अगली सुनवाई के लिए १५ नवंबर की तिथि मुकर्रर की है. कंगना ने जावेद अख्तर पर पलटवार करते हुए जबरन वसूली और निजता के हनन जैसे कई आरोप लगाए. बता दें कि इस मामले को किसी और कोर्ट में ट्रांसफर करने की अपील पर १ अक्टूबर को अंधेरी कोर्ट में सुनवाई होगी. जावेद अख्तर ने कंगना राणावत पर मानहानि का केस किया था. पिछली सुनवाई के दौरान कंगना ने कोरोना के लक्षण देखने के बाद कोर्ट में आने से असहमति जता दी थी. इसके बाद कोर्ट ने सख्त होते हुए कहा था कि अगली सुनवाई में यदि कंगना नहीं पहुंचती तो कोर्ट अरेस्ट वारंट जारी करेगा. यह पूरा मामला २०२० में सुशांत सिंह राजपूत की आत्महत्या से शुरू हुआ था. एक इंटरव्यू के दौरान कंगना ने सुशांत सिंह राजपूत की मौत से जुड़े मामले में विवादित बयान दे दिया था. इसके साथ ही उस दौरान उन्होंने जावेद अख्तर पर कई तरह के आरोप लगाए थे. जिसके बाद जावेद अख्तर ने अपनी कड़ी प्रतिक्रिया जाहिर करते हुए कंगना पर मानहानि का केस कर दिया था. कई मौके पर ट्विटर में यह दोनों सितारे आपस में उलझते हुए दिखाई दिए हैं.

समाचार पत्र में छपी समस्त प्रकार की खबरों एवं लेखों का स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय से किसी भी प्रकार का कोई लेना देना नहीं है। समाचार पत्र में छपी खबर एवं लेख पत्रकारों के अपने निजी विचार हैं। समाचार पत्र से जुड़े समस्त पत्रकारों के पद अवैतनिक हैं। और वह सब स्वतंत्र पत्रकार हैं। प्रकाशक/सम्पादक